

List of VM Consolidated documents of Dr. S. K. Kapoor

List 2 Different aspects of Vedic Mathematics

Article 7

वेद व्यास

VED VYAS

- (A) TCV (वेद) = 20, (B) TCV (व्यास) = 14, (C) TCV (वेद व्यास) = 34, (D) TCV (वेद व्रत्त) = 40, (E) TCV (तत्त्व ज्ञान) = 42, (F) TCV (ऋग्वेद) = 27, (G) TCV (यजुर्वेद) = 31, (H) TCV (सामवेद) = 35, (I) TCV (अथर्ववेद) = 37, (J) TCV (आर्यु उपवेद) = 37, (K) TCV (धर्नु उपवेद) = 50, (L) TCV (गन्धर्व उपवेद) = 59, (M) TCV (स्थापत्य उपवेद) = 61, (N) TCV (वेदागंक) = 30, (O) TCV (शिक्षा) = 13, (P) TCV (व्याकरण) = 24, (Q) TCV (निरुक्त) = 24, (R) TCV (निधण्टु) = , (S) TCV (छन्दसु) = 19, (T) TCV (ज्योतिषु) = 24, (U) TCV (क्ल्प) = , (V) TCV (षड् दर्शन) = , (W) TCV (सौख्य) = 19, (X) TCV (योग) = 12, (Y) TCV (न्याय) = 13, (Z) TCV (वैशेषिक) = 33, (AA) TCV (मीमंसा) = 39, (AB) TCV (ब्रह्म सूत्र) = 33, (AC) TCV (वेदान्त) = 34, (AD) TCV (गीता) = 13, (AE) TCV (उपनिषद्) = 32, (AF) TCV (ईशः उपनिषदः) = 49, (AG) TCV (माण्डूक्योपनिषद्) = 69, (AH) TCV (मुण्डकोपनिषद्) = 70, (AI) TCV (केने उपनिषदः) = 58, (AJ) TCV (कठो उपनिषदः) = 47, (AK) TCV (प्रश्नोपनिषदः) = 60, (AL) TCV (तैत्तरयोपनिषद्) = 65, (AM)

TCV (ऐतरयोपनिषद्) = 64, (AN) TCV (श्वतेश्वरोपनिषदः) = 74,
(AO) TCV (छन्दोग्योपनिषद्) = 64, (AP) TCV (बृहदराण्यका
उपनिषदः) = 78, (AQ) TCV (पुराण) = 21, (AR) TCV (स्मृति) = 22,

2. VED VYAS (वेद व्यास)

2.1 Sadhakas fulfilled with intensity of urge to acquire proper insight and to attain appropriate enlightenment about vedic systems and organization of vedic knowledge shall permit the transcending mind to continuously remain in prolonged sitting of trans to be face to face with formulation (वेद व्यास) and to glimpse and imbibe the values and virtues of 28 transcendental designation of Braham Rishi Ved Vyas (ब्रह्म ऋषि वेद व्यास).

3. 28 TRANSCENDENTAL DESIGNATION

3.1 (1) श्वेत, (2) सद्य, (3) भार्गव, (4) अंगिरा, (5) सविता, (6) मृत्यु,
(7) शतक्रतु, (8) वसिष्ठ, (9) सारस्वत, (10) त्रिपाद्, (11) त्रिव्रत,
(12) शततेजा, (13) नारायण, (14) तरक्षु, (15) त्रैय्यारुणि, (16)
छेव, (17) देवकृतंजय, (18) ऋतंजय, (19) भरद्वाज, (20) गौतम,
(21) वाचश्रवा, (22) शुष्मायण, (23) तृणबिन्दु, (24) ऋक्ष, (25)
शक्ति, (26) पराशर, (27) जातुकर्ण्य, (28) कृष्णद्वैपायन,

3.2 One shall sit comfortably and to permit the transcending mind to be face to face with sequential unfolding of values and virtues as [ऋषि (12), राज ऋषि (22), महा ऋषि (33), ब्रह्म ऋषि (40)]

3.3 Further, one shall be face to face with the values and virtues of 28 transcendental designation of (ऋषि वेद व्यास) as formulation : ()

(1) ऋषि श्वेत, (2) ऋषि सद्य, (3) ऋषि भार्गव, (4) ऋषि अंगिरा, (5) ऋषि सविता, (6) ऋषि मृत्यु, (7) ऋषि शतक्रतु, (8) ऋषि वसिष्ठ, (9) ऋषि सारस्वत, (10) ऋषि त्रिपाद्, (11) ऋषि त्रिव्रत, (12) ऋषि शततेजा, (13) ऋषि नारायण, (14) ऋषि तरक्षु, (15) ऋषि त्रैय्यारूणि, (16) ऋषि छेव, (17) ऋषि देवकृतंजय, (18) ऋषि ऋतंजय, (19) ऋषि भरद्वाज, (20) ऋषि गौतम, (21) ऋषि वाचश्रवा, (22) ऋषि शुष्मायण, (23) ऋषि तृणबिन्दु, (24) ऋषि ऋक्ष, (25) ऋषि शक्ति, (26) ऋषि पराशर, (27) ऋषि जातूकर्ण्य, (28) ऋषि कृष्णद्वैपायन,

1. Further one shall have a pause here and to be face to face with formulation (ऋषि) which is a composition of triple letters [(i) (ऋ) = (4), (ii) (ष) = (6) and (iii) (इ) = (2)] leading to values triple (4, 6, 2) of summation value $(6+4+2) = 12$.
2. Value 12 is parallel to TCV value 12 of formulation (शिव).
3. Further TCV (योग) = 12.
4. TCV (शिव योग) = 24 = TCV (सदा शिव) = TCV (पुरुष).
5. One may have a pause here and take note that value 24 is of organization 4×6 which is parallel to value of dimensional frame of six creative dimensions of 6-space.
6. TCV (महा ऋषि) = 33 = TCV (पुरुषार्थ).
7. TCV (ब्रह्म ऋषि) = 40 = TCV (सविता ज्ञान)
8. One shall sit comfortably and to permit the transcending mind to continuously remain in prolonged sitting of trans and

to be face to face with these values and to imbibe their virtues.

4. ORGANIZATION OF 28 TRANSCENDENTAL DESIGNATION

4.1 It will be a blissful exercise to sequentially chase of organization of 28 transcendental designations.

S. No	Letter	Designation Serial	TCV Value	Total	Total
1	श्	श्वेत	2	2	
2	व्	श्वेत	7	9	
3	ए	श्वेत	6	15	
4	त्	श्वेत	4	19	
5	अ	श्वेत	1	20	20
6	स्	सद्य	3	3	
7	अ	सद्य	1	4	
8	द्	सद्य	6	10	
9	य्	सद्य	1	11	
10	अ	सद्य	1	12	32
11	भ्	भार्गव	8	8	
12	आ	भार्गव	2	10	
13	ँ	भार्गव	2+1	12+1	
14	ग्	भार्गव	3	15	
15	अ	भार्गव	1	16	
16	व्	भार्गव	7	23	
17	अ	भार्गव	1	24	56
18	अ	अंगिरा	1	1	

19	.	अंगिरा	9	10	
20	ग्	अंगिरा	3	13	
21	इ	अंगिरा	2	15	
22	र्	अंगिरा	3	18	
23	आ	अंगिरा	2	20	76
24	स्	सविता	3	3	
25	अ	सविता	1	4	
26	व्	सविता	7	11	
27	इ	सविता	2	13	
28	त्	सविता	4	17	
29	आ	सविता	2	19	95
30	म्	मृत्यु	9	9	
31	ऋ	मृत्यु	4	13	
32	त्	मृत्यु	4	17	
33	य्	मृत्यु	1	18	
34	उ	मृत्यु	3	21	116
35	श्	शतक्रतु	2	2	
36	अ	शतक्रतु	1	3	
37	त्	शतक्रतु	4	7	
38	अ	शतक्रतु	1	8	
39	क्	शतक्रतु	1	9	
40	-	शतक्रतु	1+2	10+2	
41	अ	शतक्रतु	1	11	
42	त्	शतक्रतु	4	15	
43	उ	शतक्रतु	3	18	134
44	व्	वसिष्ठ	7	7	
45	अ	वसिष्ठ	1	8	
46	स्	वसिष्ठ	3	11	

47	इ	वसिष्ठ	2	13	
48	ः	वसिष्ठ	6	19	
49	ट्	वसिष्ठ	4	23	
50	अ	वसिष्ठ	1	24	158
51	स्	सारस्वत	3	3	
52	आ	सारस्वत	2	5	
53	र्	सारस्वत	3	8	
54	अ	सारस्वत	1	9	
55	स्	सारस्वत	3	12	
56	व्	सारस्वत	7	19	
57	अ	सारस्वत	1	20	
58	त्	सारस्वत	4	24	
59	अ	सारस्वत	1	25	183
60	त्	त्रिपाद्	4	4	
61	-	त्रिपाद्	1+2	5+2	
62	इ	त्रिपाद्	2	7	
63	प्	त्रिपाद्	5	12	
64	आ	त्रिपाद्	2	14	
65	द्	त्रिपाद्	6	20	203
66	त्	त्रिव्रत	4	4	
67	-	त्रिव्रत	1+2	5+2	
68	इ	त्रिव्रत	2	7	
69	व्	त्रिव्रत	7	14	
70	-	त्रिव्रत	1+2	15+2	
71	अ	त्रिव्रत	1	16	
72	त्	त्रिव्रत	4	20	
73	अ	त्रिव्रत	1	21	224
74	श्	शततेजा	2	2	

75	अ	शततेजा	1	3	
76	त्	शततेजा	4	7	
77	अ	शततेजा	1	8	
78	त्	शततेजा	4	12	
79	ए	शततेजा	6	18	
80	ज्	शततेजा	4	22	
81	आ	शततेजा	2	24	248
82	न्	नारायण	8	8	
83	आ	नारायण	2	10	
84	र्	नारायण	3	13	
85	आ	नारायण	2	15	
86	य्	नारायण	1	16	
87	अ	नारायण	1	17	
88	प्	नारायण	7	24	
89	अ	नारायण	1	25	273
90	त्	तरक्षु	4	4	
91	अ	तरक्षु	1	5	
92	र्	तरक्षु	3	8	
93	अ	तरक्षु	1	9	
94	क्	तरक्षु	1	10	
95	ष्	तरक्षु	6	16	
96	उ	तरक्षु	3	19	292
97	त्	त्रैय्यारुणि	4	4	
98	-	त्रैय्यारुणि	1+2	5+2	
99	ऐ	त्रैय्यारुणि	8	13	
100	य्	त्रैय्यारुणि	1	14	
101	य्	त्रैय्यारुणि	1	15	
102	आ	त्रैय्यारुणि	2	17	

103	र्	त्रैय्यारुणि	3	20	
104	ऊ	त्रैय्यारुणि	6	26	
105	ण्	त्रैय्यारुणि	7	33	
106	इ	त्रैय्यारुणि	2	35	327
107	द्र्	देव	6	6	
108	ए	देव	6	12	
109	व्	देव	7	19	
110	अ	देव	1	20	347
111	द्र्	देवकृतंजय	6	6	
112	ए	देवकृतंजय	6	12	
113	व्	देवकृतंजय	7	19	
114	अ	देवकृतंजय	1	20	
115	क्	देवकृतंजय	1	21	
116	ऋ	देवकृतंजय	4	25	
117	त्	देवकृतंजय	4	29	
118	अ	देवकृतंजय	1	30	
119	·	देवकृतंजय	9	39	
120	ज्	देवकृतंजय	4	43	
121	अ	देवकृतंजय	1	44	
122	य्	देवकृतंजय	1	45	
123	अ	देवकृतंजय	1	46	393
124	ऋ	ऋतंजय	4	4	
125	त्	ऋतंजय	4	8	
126	अ	ऋतंजय	1	9	
127	·	ऋतंजय	9	18	
128	ज्	ऋतंजय	4	22	
129	अ	ऋतंजय	1	23	
130	य्	ऋतंजय	1	24	

131	अ	ऋतंजय	1	25	418
132	भृ	भरद्वाज	8	8	
133	अ	भरद्वाज	1	9	
134	र्	भरद्वाज	3	12	
135	अ	भरद्वाज	1	13	
136	द्	भरद्वाज	6	19	
137	व्	भरद्वाज	7	26	
138	आ	भरद्वाज	2	28	
139	ज्	भरद्वाज	4	32	
140	अ	भरद्वाज	1	33	451
141	गु	गौतम	3	3	
142	औ	गौतम	9	12	
143	त्	गौतम	4	16	
144	अ	गौतम	1	17	
145	म्	गौतम	9	26	
146	अ	गौतम	1	27	478
147	व्	वाचश्रवा	7	7	
148	आ	वाचश्रवा	2	9	
149	च्	वाचश्रवा	2	11	
150	अ	वाचश्रवा	1	12	
151	श्	वाचश्रवा	2	14	
152	-	वाचश्रवा	1+2	15+2	
153	अ	वाचश्रवा	1	16	
154	व्	वाचश्रवा	7	23	
155	आ	वाचश्रवा	2	25	503
156	श्	शुष्मायण	2	2	
157	उ	शुष्मायण	3	5	
158	ष्	शुष्मायण	6	11	

159	म्	शुष्मायण	9	20	
160	आ	शुष्मायण	2	22	
161	य्	शुष्मायण	1	23	
162	अ	शुष्मायण	1	24	
163	ण्	शुष्मायण	7	31	
164	अ	शुष्मायण	1	32	535
165	त्	तृणबिन्दु	4	4	
166	ऋ	तृणबिन्दु	4	8	
167	ण्	तृणबिन्दु	7	15	
168	अ	तृणबिन्दु	1	16	
169	ब्	तृणबिन्दु	7	23	
170	इ	तृणबिन्दु	2	25	
171	न्	तृणबिन्दु	8	33	
172	द्	तृणबिन्दु	6	39	
173	उ	तृणबिन्दु	3	42	577
174	ऋ	ऋक्ष	4	4	
175	क्	ऋक्ष	1	5	
176	ष्	ऋक्ष	6	11	
177	अ	ऋक्ष	1	12	589
178	श्	शक्ति	2	2	
179	अ	शक्ति	1	3	
180	क्	शक्ति	1	4	
181	त्	शक्ति	4	8	
182	इ	शक्ति	2	10	599
183	प्	पराशर	5	5	
184	अ	पराशर	1	6	
185	र्	पराशर	3	9	
186	आ	पराशर	2	11	

187	श्	पराशर	2	13	
188	अ	पराशर	1	14	
189	र्	पराशर	3	17	
190	अ	पराशर	1	18	617
191	ज्	जातूकर्ण्य	4	4	
192	आ	जातूकर्ण्य	2	6	
193	त्	जातूकर्ण्य	4	10	
194	ऊ	जातूकर्ण्य	6	16	
195	क्	जातूकर्ण्य	1	17	
196	अ	जातूकर्ण्य	1	18	
197	प्	जातूकर्ण्य	7	25	
198	ँ	जातूकर्ण्य	2+1	27+1	
199	य्	जातूकर्ण्य	1	28	
200	अ	जातूकर्ण्य	1	29	646
201	क्	कृष्णद्वैपायन	1	1	
202	ऋ	कृष्णद्वैपायन	4	5	
203	ष्	कृष्णद्वैपायन	6	11	
204	प्	कृष्णद्वैपायन	7	18	
205	अ	कृष्णद्वैपायन	1	19	
206	द्	कृष्णद्वैपायन	6	25	
207	व्	कृष्णद्वैपायन	7	32	
208	ऐ	कृष्णद्वैपायन	8	40	
209	प्	कृष्णद्वैपायन	5	45	
210	आ	कृष्णद्वैपायन	2	47	
211	य्	कृष्णद्वैपायन	1	48	
212	अ	कृष्णद्वैपायन	1	49	
213	न्	कृष्णद्वैपायन	8	57	
214	अ	कृष्णद्वैपायन	1	58	704

- 4.2 It will further be blissful to take note that letters serial no. 13, 40, 61, 67, 70, 98, 152 and 198, at eight placement letter Raif (रेफ़) has been associated values (2, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 2) that is total values 10 while letter Raif (रेफ) with its value 3 makes value 24 for its placement eight times, makes value $3 \times 8 = 24$, and the reduced value $24 - 10 = 14$, deserves to be glimpsed and imbibed as virtue of organization.
- 4.3 One may have a pause here and take note that value 14 with its organization as $14 = 2+3+4+5$, is parallel to four folds manifestation layers (2, 3, 4, 5) of hyper cube 4, the representative regular body of 4-space manifesting along the format of idol of Lord Brahma.
- 4.4 Further, TCV (व्यास) = 14.
- 4.5 One may further have a pause here and take note that with addition of value 14 to value 704 of total TCV value of entire range of 214 letters will bring the TCV value as $704+14 = 718$.
- 4.6 One may further a pause here and take note that 718 with its organization $718 = 100+18$ brings us face to face with value $700 = 70 \times 10$ and $18 = 3+4+5+6$.
- 4.7 The organization $700 = 70 \times 10$ bring us face to face with the split of domain at its fifth split phase as of value 70 and such split within ten creative boundary Components of transcendental domain will make the value $70 \times 10 = 700$.

- 4.8 Further value $18 = 3+4+5+6$ is parallel to four folds manifestation layer (3, 4, 5, 6) of hyper cube 5, the representative regular body of 5-space manifesting within 4-space.
- 4.9 One may further have a pause here and to permit the transcending mind to glimpse and imbibe these values and features.
- 4.10 It will be further be blissful to take note that, 214 letters with TCV value 718 brings us face to face with the organization $718 = 214+504$.
- 4.11 Further, $504 = 496+8$.
- 4.12 Further, 496 is a perfect number accepting 9 proper divisors (1, 2, 4, 8, 16, 31, 62, 124, 248).
- 4.13 And further, 9 points range has eight gaps.
- 4.14 Further, TCV (Akash) = 8.
- 4.15 One may have a pause here and to permit the transcending mind to continuously remain in prolonged sitting of trans and to glimpse and imbibe these values and features.

5. TRANSCEND TO ENRICH FURTHER INSIGHT

- 5.1 Sadhakas fulfilled with intensity of urge further enrich insight about the values and virtues of 28 transcendental designations of वेद व्यास (Ved Vyas) shall revisit formulation वेद व्यास (Ved Vyas) accepting transcendental code value 34.
- 5.2 One may have a pause here and take note that value 34 accepts organization as $34 = 7+8+9+10$, which is parallel

to four folds manifestation layers (7, 8, 9, 10) of hyper cube 9, the representative regular body of 9-space within 4-space.

5.3 One shall permit the transcending mind to glimpse and imbibe these values and virtues.

5.4 One shall transcends further to sequentially glimpse 28 transcendental designation of वेद व्यास (Ved Vyas) in terms of the transcendental values range of these designation:

- (1) श्वेत Letters 5 TCV = 20
- (2) सद्य, Letters 5 TCV = 12
- (3) भार्गव, Letters 7 TCV = 24+1
- (4) अंगिरा, Letters 6 TCV = 20
- (5) सविता, Letters 6 TCV = 19
- (6) मृत्यु, Letters 5 TCV = 21
- (7) शतक्रतु, Letters 9 TCV = 18+2
- (8) वसिष्ठ, Letters 7 TCV = 24
- (9) सारस्वत, Letters 9 TCV = 25
- (10) त्रिपाद्, Letters 6 TCV = 20+2
- (11) त्रिव्रत, Letters 8 TCV = 21+4
- (12) शततेजा, Letters 8 TCV = 24
- (13) नारायण, Letters 8 TCV = 25
- (14) तरक्षु, Letters 7 TCV = 19
- (15) त्रैय्यारूणि, Letters 10 TCV = 35+2
- (16) देव, Letters 4 TCV = 20
- (17) देवकृतंजय, Letters 13 TCV = 46

- (18) ऋतंजय, Letters 8 TCV = 25
 (19) भरद्वाज, Letters 9 TCV = 33
 (20) गौतम, Letters 6 TCV = 27
 (21) वाचश्रवा, Letters 9 TCV = 25+2
 (22) शुष्मायण, Letters 9 TCV = 32
 (23) तृणबिन्दु, Letters 9 TCV = 42
 (24) ऋक्ष, Letters 4 TCV = 12
 (25) शक्ति, Letters 5 TCV = 10
 (26) पराशर, Letters 8 TCV = 18
 (27) जातूकर्ण्य, Letters 10 TCV = 29+1
 (28) कृष्णद्वैपायन, Letters 14 TCV = 58

5.5 One shall sit comfortably and to permit the transcending mind to glimpse values ranges:

- 5.6 (i) 20, 12, 24, 20, 19, 21, 18, 24, 25, 20, 21, 24, 25, 19, 37, 20, 46, 25, 33, 27, 25, 32, 42, 12, 10, 18, 29, 58
 (ii) 20, 12, 24+1, 20, 19, 21, 18+2, 24, 25, 20+2, 21+4, 24, 25, 19, 37, 20, 46, 25, 33, 27, 25+2, 32, 42, 12, 10, 18, 29+1, 58

5.7 Let us revisit the values range (20, 12, 24, 20, 19, 21, 18, 24, 25, 20, 21, 24, 25, 19, 37, 20, 46, 25, 33, 27, 25, 32, 42, 12, 10, 18, 29, 58)

It accepts sequential progression arrangement as (10, 12, 12, 18, 18, 19, 19, 20, 20, 20, 20, 21, 21, 24, 24, 24, 25, 25, 25, 25, 27, 29, 32, 33, 37, 42, 46, 58).

5.8 Let us revisit the range of values (ii) (20, 12, 25, 20, 19, 21, 20, 24, 25, 22, 25, 24, 25, 19, 37, 20, 46, 25, 33, 27, 27, 32, 42, 12, 10, 18, 30, 58)

- 5.9 Let us reach at its sequential progression arrangement as (10, 12, 12, 18, 19, 19, 20, 20, 20, 20, 21, 22, 24, 24, 25, 25, 25, 25, 27, 27, 30, 32, 33, 37, 42, 46, 58).
- 5.10 Let us revisit above pair of ranges and to be face to face with 16 distinct value of first range (10, 12, 18, 19, 20, 21, 24, 25, 27, 29, 32, 33, 37, 42, 46, 58).
- 5.11 Further the second range as 17 distinct values (10, 12, 18, 19, 20, 21, 22, 24, 25, 27, 30, 32, 33, 37, 42, 46, 58).
- 5.12 One may have a pause here and take note that total distinct number amongst both the range are 18 namely (10, 12, 18, 19, 20, 21, 22, 24, 25, 27, 29, 30, 32, 33, 37, 42, 46, 58).
- 5.13 One shall sit comfortably and to permit the transcending mind to glimpse and imbibe these values and features.

6. RANGE OF 18 DISTINCT VALUES

- 6.1 Sadhakas fulfilled with intensity of urge to acquire proper insight about the processing steps of Vedic systems shall be face to face with these 18 distinct values; Geometric format : (10, 12, 18, 19, 20, 21, 22, 24, 25, 27, 29, 30, 32, 33, 37, 42, 46, 58).

(i) VALUE 10

- (a) TCV (आदि) = 10.
- (b) $10 = 1+2+3+4$, parallel to which is four folds manifestation layer (1, 2, 3, 4) of hyper cube 3.
- (c) $10+10 = 20 = \text{TCV (आदि शक्ति)}$.

- (d) $(10, 10) = (12) = \text{TCV (शिव)}$.
- (e) One may have a pause here and take note that the first designated (श्वेत) is of TCV value 20, while second designated (सद्य) is of TCV value 12

(ii) VALUE 12

- (a) TCV (ऋषि) = 12.
- (b) Transcendence within 6-space domain is of three sequential steps (6, 4, 2) along format of (6-space domain, 4-space dimension, 2-space dimension of dimension).
- (c) Transcendental boundary of self referral domain is of 12 Components.

(iii) VALUE 18

- (a) TCV (ईश्वर) = 18.
- (b) One may have a pause here and take note that quadruple values (15, 16, 17, 18) are parallel to transcendental code values of quadruple formulations (तेज, जीव, आत्मा, ईश्वर).
- (c) One may further have a pause here and take note that 28 designation of Ved Vyas brings us face to face with quadruple values (15, 16, 17, 18).

(iv) VALUE 19

- (a) TCV (सविता) = 19

- (b) Value 19 accepts organization as $19 = 2 \times 9 + 1$, which is parallel to 19 geometries of hyper cube 9, parallel to which are 19 versions of hyper cube 9.
- (c) One may have a pause here and take note that value 19 is parallel to placement value 19 of southern hemisphere of our solar universe.

(v) VALUE 20

- (a) TCV (वेद) = 20
- (b) TCV (देव) = 20
- (c) Value 20 is parallel to synthesis value of a pair of transcendence range of zero order: $(0+1+2+3+4)+(0)+(0+1+2+3+4)$.
- (d) Value 20 is also parallel to a synthesis of a pair of manifestation layers of linear order: $(1+2+3+4)+(1+2+3+4)$ leading to manifestation layer (3, 4, 5, 6) of summation value $3+4+5+6 = 18$ of solid order transcendental domain of hyper cube 5.
- (e) One may have a pause here and take note that the synthesis of single, double, triple and quadruple dimensions of linear, spatial, solid and creative orders are 20 in all cases.
- (f) One may further have a pause here and take note that formulation of designated (शतकृतु) of TCV value (18), as well as (20).

(vi) VALUE 21

(a) TCV (ज्ञान) = 21.

(b) Value 21 accepts organization 21 = 1+2+3+4+5+6, which is parallel to values range (1, 2, 3, 4, 5, 6) of Sathapatya measuring rod synthesized by hyper cubes 1 to 6.

(c) Formulation of designation (मृत्यु) = 21.

(vii) VALUE 22

(a) TCV (स्मृति) = 22.

(b) Value 22 accepts organization 22 = 4+5+6+7, which is parallel to four folds manifestation layer (4, 5, 6, 7) of hyper cube 6.

(c) Formulation of designation (त्रिपाद्) is of TCV value 22.

(viii) VALUE 24

(a) TCV (पुरुष) = 24.

(b) Value 24 accepts organization as 24 = 4x6, which is parallel to the set up of a dimensional frame of 6 creative dimensions.

(c) Formulation of designation (वसिष्ठ) accepts TCV value 24.

(ix) VALUE 25

(a) TCV (विष्णु) = 25.

- (b) Value 25 accepts organization as $25 = 3+4+5+6+7$, which is parallel to transcendence range (3, 4, 5, 6, 7) of solid order and unity state base.
- (c) Formulation of designation (नारायण) is of TCV 25.

(x) VALUE 27

- (a) TCV (प्रारब्ध) = 27.
- (b) Value 27 accepts organization as $27 = 3^3$.
- (c) Further $27 = 2 \times 13 + 1$, which is parallel to 27 geometries range of space 13, of which 27 versions of hyper cube 13 are the representative regular bodies.
- (d) Formulation of designation (वाचश्रवा) is of transcendental code value 27, as well as 29.
- (e) One may have a pause here and take note that $(27, 27) = (29)$.

(xi) VALUE 29

- (a) It will be blissful to take note that value 29 is parallel to transcendental code value 29 of formulation (ब्रह्मा), over lord of real 4-space and within 4-space, the dimensional frame of solid dimension split into pair of dimensional frame of half dimensions $(3^3, 3^3)$

(xii) VALUE 30

- (a) TCV (संहिता) = 30.
- (b) Value 30 accepts organization as $30 = 5+6+7+8$, which is parallel to four folds manifestation layer (5, 6, 7, 8) of hyper cube 7.
- (c) Formulation of designation (जातूकर्ण्य) is of transcendental code value 29 as well as 30.

(xiii) VALUE 32

- (a) TCV (जीवात्मा)
- (b) Value 32 with its organization $32 = 2^5$ is parallel to frequency 32 of value 6 as summation of choices from the values range (1, 2, 3, 4, 5, 6).
- (c) Formulation of designation (शुष्मायण) is of TCV value 32.

(xiv) VALUE 33

- (a) TCV (पुरुषार्थ) = 33.
- (b) Value 33 with its organization $33 = 16+17$ brings us face to face with the set up of 17 points range with 16 gaps.
- (c) It further bring us face to face with TCV (जीव) = 16 , TCV (आत्मा) = 17.
- (d) One may have a pause here and take note that split of a three dimensional frame into a pair of three dimensional frame of half dimensions is

of formats, values parallel to number value 33, which avails digit 3 at its both places.

(e) Formulation of designation (भरद्वाज) is of transcendental code value 32 as well as 33.

(xv) VALUE 37

(a) TCV (श्रीभगवान्) = 37.

(b) Number value 37 accepts organization $37 = 2 \times 18 + 1$, which is parallel to 37 geometries range of space 18 parallel to which are 37 versions of hyper cube 18.

(c) Formulation of designation (त्रैय्यारुणि) accepts tcv value 37.

(xvi) VALUE 42

(a) TCV (तत्त्व ज्ञान) = 42.

(b) Value 42 is parallel to synthesis value of a pair of transcendence ranges of spatial order:
 $(2+3+4+5+6)+(2)+(2+3+4+5+6)$

(c) Formulation of designation (तृणबिन्दु) accepts TCV value 42.

(xvii) VALUE 46

(a) Value 46 is TCV value of formulation (अन्नतजन्म).

(b) Value 46 constitute reflection pair as 46, -46).

(c) It further constitute reflection pair as (46, 64).

- (d) Values range (-46, -35, -24, -13, -2, 9, 20, 31, 42, 53, 64) is 11 steps long range of synthesis value of pair of transcendence range of order (-6, -5, -4, -3, -2, -1, 0, 1, 2, 3, 4).
- (e) Formulation of designation (देवकृतंजय) is of TCV value 46.

(xviii) VALUE 58

- (a) Value 58 accepts organization as $58 = 29+29$.
- (b) One may have a pause here and take note that value 29 is parallel to TCV value of formulation (ब्रह्मा).
- (c) It will further be blissful to take note that $(29, 29) = (31)$, which is parallel to synthesis value of a pair of transcendence range of linear order.
- (d) It will further be blissful to take note that 29 points range has 28 gaps and value 28 is parallel to TCV value of formulation (ब्रह्म).
- (e) It will further be blissful to take note that TCV (योग आत्मा) = 29.
- (f) Formulation of designation (कृष्णद्वैपायन) is 58.
- (g) Author of Braham Sutra is (कृष्णद्वैपायन).

7. ENLIGHTENMENT VIRTUE

- 7.1 Sadhakas fulfilled with intensity of urge to fulfilled with enlightenment virtue of 28 transcendental designation of

ब्रह्म ऋषि वेद व्यास (Braham Rishi Ved Vyas) shall permit the transcending mind to sequentially glimpse the internal organization of these 28 transcendental designations of ब्रह्म ऋषि वेद व्यास (Braham Rishi Ved Vyas) has a sequential unfolding range of 214 letter of 718 transcendental value.

